गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

SI न्यूज़

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक : 15 गोरखपुर रविवार 29 सितम्बर 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

एएपी से बीजेपी में जाते ही चली गई करतार सिंह तंवर की विधायकी

दल बदल विरोधी कानून के तहत स्पीकर ने लिया एक्शन

एजेंसी

छतरपुर। तंवर आप छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और दिल्ली पार्टी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली थी। वह दिल्ली के पूर्व समाज कल्याण मंत्री और आप विधायक राज कुमार आनंद के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। छतरपुर विधायक करतार सिंह तंवर को दलबदल विरोधी कानून के तहत स्पीकर द्वारा अयोग्य घोषित किए जाने के बाद दिल्ली विधानसभा की सदस्यता खत्म हो गई है। दिल्ली विधानसभा स्पीकर के निर्देश पर जारी आदेश के मुताबिक, करतार सिंह तंवर की विधानसभा सदस्यता 10 जुलाई से खत्म हो गई है। तंवर 2020 के विधानसभा चुनाव में आप के टिकट पर छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। इससे पहले जुलाई में तंवर आप छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और दिल्ली पार्टी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ली थी। वह दिल्ली के पूर्व समाज कल्याण मंत्री और आप विधायक राज कुमार आनंद के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। करतार सिंह तंवर का राजनीतिक करियरकरतार सिंह तंवर ने 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता ब्रह्म सिंह तंवर को करीबी मुकाबले में हराया था। यह जीत 2015 के विधानसभा चुनाव में तंवर की पिछली सफलता के बाद आई है, जहां वे ब्रह्म सिंह तंवर के खिलाफ विजयी हुए थे। 2014 में आम आदमी पार्टी में शामिल होने से पहले करतार सिंह तंवर भाजपा से जुड़े थे। उनका राजनीतिक करियर 2007 में शुरू हुआ जब उन्होंने दिल्ली नगर निगम में भाटी वार्ड के पार्षद के रूप में सीट जीती। राजनीति में आने से पहले, उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड में जूनियर इंजीनियर के रूप में काम किया।पीडीपी के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी बोलीं– अगर डॉक्टर हमें अच्छा इलाज नहीं दे रहा है तो...दल बदल कानून 1985 क्या है राजीव गांधी की सरकार ने महसूस किया कि दल बदल जैसी गंभीर समस्या को लेकर कोई नियम होना चाहिए। जैसे मानिए कोई बीजेपी के सिंबल पर चुनाव लड़े और फिर जीतकर कांग्रेस में शामिल हो जाए। तो ये उस जनता

के साथ भी धोखा था जहां से वो जीतकर आया है। इसके साथ ही उस पार्टी के साथ भी धोखा था जिसके सिंबल पर उसने चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। 1985 की जनवरी में शीतकालीन सत्र के दौरान राजीव गांधी सरकार द्वारा भारत के संविधान में 52वां संशोधन किया गया। दल बदल निरोधक कानून 1985 लाया गया। इसमें बताया गया कि आखिर वो कौन सी स्थितियां होंगी, जिनमें ये कानून लागू होगा और उसे दल बदल निरोधक कानून के अंतर्गत माना जाएगा।

टीएमसी सांसद हाजी नुरुल इस्लाम का निधन, लीवर कैंसर से थे पीड़ित, ममता बनर्जी ने जताया दुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। बशीरहाट के सांसद हाजी नुरुल इस्लाम का निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे। जानकारी के मुताबिक वह लंबे समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। बुधवार दोपहर को उनके घर पर उनका निधन हो गया। उनके निधन पर ममता बनर्जी ने दुख जताया है। ममता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मेरे मूल्यवान सहयोगी, बशीरहाट के हमारे सांसद, हाजी एसके नुरुल इस्लाम के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। वह सुदूर सुंदरबन क्षेत्र में एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे और उन्होंने पिछड़े क्षेत्र में गरीब लोगों के उत्थान के लिए कड़ी मेहनत की। बशीरहाट के लोग उनके नेतृत्व को याद करेंगे। मैं उनके परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।नुरुल 2009 में पहली बार तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर बशीरहाट से सांसद बने। 2014 में जंगीपुर से उम्मीदवार खड़े हुए और हार गए। इसके बाद 2016 में उन्होंने बशीरहाट लोकसभा के तहत हरोआ विधानसभा सीट जीती। 2021 में फिर से हरवार विधायक बने। हाल ही में 2024 के लोकसभा चुनाव में बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र से भारी अंतर से जीतना – नुरुल के ताज में कई पंख लगे। 2016 में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरोआ विधानसभा में तत्कालीन तृणमूल विधायक जुल्फिकार अली को टिकट न देकर नुरुल को उम्मीदवार बनाया था। 2011 में, नुरुल ने वह सीट केवल 1,200 वोटों से जीती और 43,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की। विधि विशेषज्ञों से सलाह कर पता करूंगा कि कानून के तहत जांच की अनुमति है या नहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल ने बशीरहाट में एक बार फिर अपना उम्मीदवार बदल दिया है। उस वक्त एक्ट्रेस नुसरत जहां ने जीत हासिल की थी। हालाँकि, 2024 में, ममता की इच्छा पर, नुरुल अंततः बशीरहाट लोकसभा में तृणमूल के उम्मीदवार बन गए। 2024 के चुनाव में खड़े होने के बाद से नुरुल को बीमारी के कारण कई बार अस्पताल जाना पड़ा।

बंदूक क्या शोपीस के लिए है? कोई गोली चलाएगी तो क्या करेगी

पुलिस सीएम शिंदे बोले- इंक्वायरी तो होती रहेगी

एजेंसी

बदलापुर। एनकाउंटर को लेकर एकनाथ शिंदे ने विपक्षी की दोहरी नीति पर निशाना साधा है। सीएम शिंदे ने इंडिया टुडे के मुंबई कॉन्क्लेव में बदलापुर मुठभेड़ में पुलिस का बचाव करते एकनाथ शिंदे ने कहा कि पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में काम किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो बच्ची है उसकी उम्र कितनी चार साल है। आरोपी जिसने उसके साथ अत्याचार किया और उसकी चार बीवी है। उनमें से एक ने आकर एफआईआर किया जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। उसने उसे हैवान बताया। जिनकी बेटियां हैं उन माता–पिता पर क्या बीत रही है। शिंदे ने कहा कि उसकी हैवानियत देखो की बेटी की उम्र के लड़कियों के साथ ऐसा कर रहा था। अपनी बीवी के साथ भी अत्याचार कर रहा था। ऐसी परिस्थिति में उसे कोर्ट ला रहे थे। उसने पुलिस के ऊपर गोली चलाई। अगर पुलिस के ऊपर गोली चलाता है तो पुलिस क्या करेग, छोड़ देगी। शिंदे ने कहा कि अगर वो भाग जाता तो विपक्ष कहता कि उसे भगा दिया। पुलिस के पास बंदूक क्या शोपीस है। क्यों रखी है, ऐसे भी बोलते। यही लोग बदलापुर स्टेशन में 9 घंटे रेल को रोका था। इसे फांसी दो, हमने

फांसी का फंदा रखा है। अब यही विपक्ष सवाल उठा रही है। विपक्ष को दोगली नीति नहीं अपनानी चाहिए। दोनों तरफ से बात नहीं करनी चाहिए। शिंदे ने साफ कहा कि ये सेल्फ डिफेंस है। पुलिस घायल है। पुलिस को क्या छोड़ना चाहिए?मेरा बेटा सड़क पार करने से डरता था वो चलती गाड़ी से कैसे भागेगा एनकाउंटर में मारे गये आरोपी अक्षय शिंदे के परिवार ने उठाए सवाल गौरतलब है कि बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी की मौत की जांच निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने कहा कि ने कहा कि आरोपी पर गोली चलाने से बचा जा सकता था और पुलिस ने पहले उसे काबू करने की कोशिश क्यों नहीं की। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि यदि उसे पता चलता है कि जांच ठीक से नहीं की जा रही है।

भारतीय रेलवे की 200 नई ट्रेनों की डिलीवरी में देरी की संभावना

नयी दिल्ली। भारतीय रेल में यात्रा करने वाले कई यात्री भारतीय रेलवे की 200 स्लीपर वेरिएंट वाली वंदे भारत ट्रेनों की डिलीवरी के इंतजार में है। माना जा रहा है कि इस डिलीवरी में अनुमान से अधिक समय लग सकता है। घटना पर नजर रख रहे लोगों की मानें तो लगभग 60,000 करोड़ रुपये के आपूर्ति और रखरखाव अनुबंध के लिए डिजाइन संशोधनों और ट्रेन की लंबाई के बारे में बातचीत अभी भी जारी है। इन चर्चाओं के बाद निविदा के अंतर्गत प्रदान की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के प्रोटोटाइप पर धीरे काम किया गया है।बता दें कि भारतीय रेलवे 24 कोच वाली ट्रेन खरीदने पर विचार कर रही है। इसकी शर्त को अनुबंध में रखा गया है। योजना के बारे में जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने ईटी को बताया, ष्अनुबंध की शर्तों के अनुसार प्रत्येक रेक में कोच की संरचना में बदलाव किया जा सकता है। रेलवे बिना किसी लागत वृद्धि के 12, 16 या 24 कोच वाली ट्रेनें मांग सकता है।

इस बार दिल्ली में प्रदूषण से कैसे निपटेगी एएपी सरकार

गोपाल राय ने बताई पूरी रणनीति, केंद्र से भी सहयोग की अपील

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रदूषण की संकट हमेशा से बड़ी रही है। इसको लेकर राजनीति भी खूब होती है। इसी बीच आज दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बड़ी बात कही है। गोपाल राय ने केंद्र से मदद की भी अपील की है। गोपाल राय ने कहा कि एनसीआर राज्यों में प्रदूषण स्तर बढ़ने का असर दिल्ली पर भी पड़ता है। इस स्तर को नीचे लाने के लिए हमें केंद्र सरकार की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब सभी एजेंसियां घ्औंर सरकारें मिलकर काम करेंगी, तभी प्रदूषण से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। तो, इस वर्ष की शीतकालीन कार्य योजना का मुख्य विषय शमिलकर चलें और प्रदूषण से लड़ें है। दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इसी थीम के साथ अपने शीतकालीन कार्ययोजना को क्रियान्वित करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। हमारे सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप, दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार कम हो रहा है। 2016 में कुल 243 दिन प्रदूषित रहे। 2023 में, यह संख्या 34.6: की गिरावट के साथ 159 दिनों तक गिर गई। प्रदूषण स्तर में यह गिरावट सरकारों के प्रयासों के साथ–साथ लोगों के योगदान और उनकी जागरूकता के कारण भी है।योजना के बारे में विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार हमने 21 सूत्रीय शीतकालीन कार्ययोजना बनाई है, जिसके आधार पर हम काम शुरू करेंगे। दिल्ली में पहली बार हॉट स्पॉट की ड्रोन से निगरानी का फैसला लिया गया है। इससे प्रदूषण के कारण का वास्तविक समय में पता लगाया जा सकेगा। 2) इसे (प्रदूषण के कारण) रोकने के लिए 6 सदस्यीय एसटीएफ का गठन 3) धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 7 अक्टूबर से दिल्ली में धूल विरोधी अभियान शुरू होगा। निजी और सरकारी सभी एजेंसियों के पास 7 अक्टूबर तक का समय है, अगर वे तब तक मापदंडों पर खरी नहीं उतरीं तो उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके लिए दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं।औचक

निरीक्षण के बाद मिला से नोटिस, जानें पूरा मामलाउन्होंने कहा कि 500 मीटर से अधिक के सभी निर्माण स्थलों को पोर्टल पर पंजीकृत कराना होगा। 85 रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई जा रही हैं, 500 पानी छिड़कने वाली मशीनें भी इस्तेमाल की जा रही हैं। इस बार 200 मोबाइल एंटी–स्मॉग गन लॉन्च की जाएंगी. इस बार फैसला लिया गया है।

जम्मू–कश्मीर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा, लोगों के बड़ी संख्या में मतदान करने को लेकर बोले रामदास अठावले

एजेंसी जम्मू–कश्मीर। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 सीटों पर बुधवार को सुबह से जारी मतदान के शुरूआती चार घंटे में 24.10 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। जम्मू–कश्मीर चुनाव के दूसरे चरण पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए बाहर आ रहे हैं। भाजपा इन चुनावों में विजयी होगी क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के प्रयासों से जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद कम हुआ है। जम्मू–कश्मीर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में बुधवार को दूसरे चरण के तहत हो रहे विधानसभा चुनाव में केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से आतंकवाद, परिवारवाद व भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए भारी संख्या में मतदान की अपील की। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 विधानसभा सीट पर सुबह सात बजे मतदान आरंभ हुआ जो शाम छह बजे तक जारी रहेगा। पच्चीस लाख से अधिक मतदाता चुनाव में उतरे 239 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला करेंगे। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर कहा कि सत्तारूढ़ महायुति में शामिल उनकी पार्टी आरपीआई (ए) को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कम से कम 10 से 12 सीटों पर लड़ने का मौका मिलना चाहिए। आठवले ने कहा कि आरपीआई (ए) अपने पार्टी चिह्न पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ में तीन से चार सीटें मांगेगी।

शंभू बॉर्डर बंद होने को लेकर बोले मनोहर लाल खट्टर

उस तरफ बैठे लोग किसान नहीं, वे व्यवस्था बिगाड़ना चाहते है

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अंबाला शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शंभू सीमा को बंद करना एक बड़ा मुद्दा है। खट्टर ने आरोप लगाया कि सीमा के दूसरी ओर किसान होने का दिखावा करने वाले व्यक्तियों का उद्देश्य व्यवस्था को बाधित करना और सरकार को अस्थिर करना है। अपने बयान में खट्टर ने कहा कि यह बड़ा मसला है। सीमा पर पंजाब का रास्ता बंद है। हमने इस रास्ते को खोलने की सारी योजना बना ली थी। लेकिन उस तरफ बैठे लोग किसान नहीं हैं। किसानों की आड़ में ये चंद लोग हैं जो व्यवस्था को बिगाड़ना चाहते हैं, सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। आप भी जानिए ये कौन हैं। परिवारवाद से मुक्त हो रहा देश, कांग्रेस की टूटती जा रही उम्मीदें

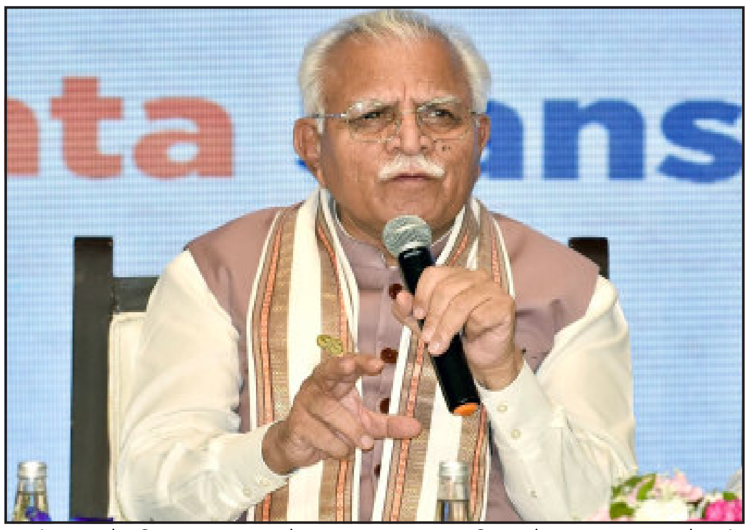

खट्टर ने आगे कहा कि आज हरियाणा के लोग खुश हैं कि उन्होंने ऐसे लोगों को यहां पैर नहीं रखने दिया। खट्टर ने कहा कि मामला फिलहाल अदालत में है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एक समिति समाधान पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा। हालाँकि, पहले हुई अराजकता को देखते हुए, अदालत सीमा को फिर से खोलने से पहले कुछ शर्तें लगा सकती है। वहीं, मनोहर लाल खट्टर ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में विजयी होगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में सरकार बनाएगी। मीडिया से बात करते हुए, खट्टर ने कांग्रेस द्वारा किसी मजबूत विपक्ष या गठबंधन के प्रयासों की कमी का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भाजपा फिर से सरकार बनाने की राह पर है। खट्टर ने कांग्रेस पार्टी की हार की भविष्यवाणी करते हुए उस पर तीखा कटाक्ष किया और राजनीतिक परिदृश्य में उसके अलग–थलग होने पर प्रकाश डाला।?खट्टर ने कहा कि किसी भी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है, जो उनकी कमजोर स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने आरक्षण और सिख समुदाय जैसे संवेदनशील मुद्दों पर ष्बेतुकेष और ष्गैर–जिम्मेदारानाष बयान देने के लिए कांग्रेस नेताओं की भी आलोचना की। खट्टर के बयान तब आए हैं जब भाजपा ने राज्य चुनावों से पहले अपने अभियान के प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसमें सैनी हरियाणा में पार्टी के नेतृत्व के प्रमुख चेहरे के रूप में उभर रहे हैं।

हरियाणा है तैयार, फिर एक बार भाजपा सरकार... सोनीपत की धरती से पीएम मोदी ने किया सर छोटू राम को नमन

एजेंसी

हरियाणा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जैसे–जैसे वोटिंग का दिन पास आ रहा है, वैसे–वैसे कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। हरियाणा में भाजपा के लिए समर्थन बढ़ता जा रहा है। मैं गर्व से कहता हूं मैं जो कुछ हूं उसमें हरियाणा का भी बहुत बड़ा योगदान है। आज पूरा हरियाणा कह रहा है फिर एक बार भाजपा सरकार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सोनीपत की धरती से महान सपूत सर छोटू राम को प्रणाम करता हूं उनका जीवन किसानों और वंचितों के लिए समर्पित रहा... आज 25 सितंबर, हमारे पथ प्रदर्शक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती है, गरीबों की सेवा के लिए उन्होंने जो रास्ता दिखाया वह हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए संकल्प पथ की तरह है। पीएम मोदी ने कहा कि आज जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान भी हो रहा है। ये मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। लोग सुबह से ही वोट डालने के लिए कतारों में लग गए हैं। पहले चरण में जिस तरह जम्मू कश्मीर में मतदान का रिकॉर्ड टूटा, वो भी दुनिया ने देखा। मैं जम्मू कश्मीर के लोगों की सराहना

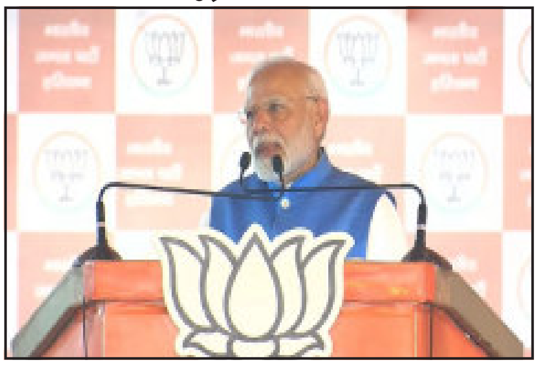

करूंगा, उन्हें बधाई दूंगा कि वे लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। आज हमारे पथ प्रदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती है। अंत्योदय और गरीबों की सेवा के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो रास्ता दिखाया, वो प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए संकल्प पथ की तरह है। उनकी प्रेरणा से भाजपा, भारत को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा रही है, गरीबों का उत्थान कर रही है। मैं श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को श्रद्धा पूर्वक नमन करता हूं। चीफ को केजरीवाल ने लिखी चिट्ठी, पूछे 5 सवाल, कहा– मुझे उम्मीद है आप जवाब देंगेपीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल में पूरी दुनिया में भारत पर भरोसा बढ़ा है, विश्वास हुआ है ।

सिद्धारमैया को मिल रहा मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी का साथ ?

कर्नाटक। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने कथित घोटाले के सिलसिले में राज्यपाल थावरचंद गहलोत के अभियोजन आदेश के विरुद्ध मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद भाजपा सिद्धारमैया सहित कांग्रेस पर हमलावर हो गई। भाजपा लगातार सिद्धारमैया से इस्तीफे की मांग कर रही है। दूसरी ओर सिद्धारमैया का दावा है कि वह निर्दोश हैं और कोर्ट पर उन्हें पूरा भरोसा है। कांग्रेस पार्टी भी पूरी तरह से सिद्धरमैया के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुप्पी साध रखी है।

वैष्णो देवी और शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंची राममंदिर की सालाना आय

संवाददाता–अयोध्या। रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे भक्त रामलला को निधि समर्पण भी करते हैं। जिसके चलते मंदिर निर्माण शुरू होने के कुछ ही वर्षों में राममंदिर की सालाना कमाई देश के प्रतिष्ठित मंदिरों वैष्णोदवी, शिरडी साई मंदिर व स्वर्ण मंदिर के बराबर पहुंच गई है। भक्त रामलला को दिल खोलकर दान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में रामलला को 363 करोड़ का दान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हुआ है। इस पर मिले ब्याज को मिलाकर मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ पहुंच गई है।

नौ नवंबर 2019 को रामलला के हक में निर्णय आने के बाद पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने राममंदिर निर्माण के लिए आधारशिला रखी थी। जब से राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हुआ उसी दिन से रामभक्तों ने निधि समर्पित करनी शुरू दी। पिछले पांच सालों में रामलला को विभिन्न माध्यमों से 55 अरब का दान प्राप्त हुआ। जबकि 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी मिला है। रामलला को ऑनलाइन, नगदी, चेक, आरटीजीएस के माध्यम से दान प्राप्त होता है। साथ ही विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त होने लगा है। पिछले एक साल में करीब 15 करोड़ का विदेशी दान भी रामलला को प्राप्त हुआ है। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र बताते हैं कि रामलला को भक्त राम जन्मभूमि सेवा केंद्र स्थित दान काउंटर पर दान अर्पित करते हैं। इसके अलावा दर्शन पथ पर दान काउंटर बने हैं। राम कचहरी स्थित मंदिर में स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर दान लिए जाते हैं। मंदिर परिसर में रामलला के दान पात्र में भक्त चढ़ावा अर्पित करते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यमों से भी भक्त श्रद्धा अर्पित करते हैं। राममंदिर में सभी सुविधाएं निःशुल्क हैं। किसी भी सुविधा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उत्तरप्रदेश–उत्तराखंड एकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष व अयोध्या की अर्थव्यवस्था पर शोध कर रहे अवध विश्वविद्यालय के प्रोफ विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय की बात करें तो सबसे आगे आंध्र प्रदेश का तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर है। इस मंदिर की सालाना आय करीब 1600 करोड़ है। यह दान के अलावा भी आय के अन्य माध्यम हैं। इसके बाद केरल पद्मनाभस्वामी मंदिर की आय करीब 700 करोड़ सालाना है। फिलहाल राममंदिर की सालाना आय कुछ ही वर्षों में वैष्णो देवी, शिरडी साई मंदिर के बराबर पहुंच गई है। जबकि दशकों पुराने अक्षरधाम, सोमनाथ व जगन्नाथ मंदिर कमाई में पीछे हो गए हैं।

कोर्ट के आदेश पर 23 मकानों पर चला बुलडोजर

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज तहसील क्षेत्र के सराय जगना ग्राम पंचायत के वजीरगंज बाजार में बुधवार को कोर्ट के आदेश पर पक्के मकानों पर बुलडोजर चल गया। 23 मकानों को गिरा दिया गया। सुरक्षा को लेकर काफी पुलिस फोर्स मौजूद रही। कैसरगंज तहसील के फखरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सराय जगना में गाटा संख्या 92, 211 और 212 की जमीन खलिहान और रास्ते के लिए अंकित है लेकिन इसी जमीन पर गांव के लोगों ने कब्जा जमाया है। किसी ने पक्का तो किसी ने फूस की झोपड़ी रख ली है। 129 से अधिक लोग अपना निवास स्थान बनाकर रह रहे हैं। इनमें बड़े से लेकर बच्चे भी शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सभी 50 वर्षों से मकान बनाकर रह रहे हैं लेकिन अब इस जमीन को राजस्व कर्मियों ने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। नोटिस वर्ष 2023 में ही मिल चुका था। इसके बाद भी जमीन पर कब्जा नहीं हटाया गया। कोर्ट ने जमीन से कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। बुधवार को एसडीएम आईएइस आलोक कुमार, सीआरओ के अलावा पुलिस और पीएससी की मौजूदगी में पक्के मकानों को तोड़ दिया गया। एसडीएम ने बताया कि पहले शिफ्ट में 23 मकान तोड़े जा रहे हैं। सुरक्षा को लेकर काफी पुलिस और पीएससी के जवानों के साथ महिला पुलिस कर्मी तैनात है।

जाली नोट प्रकरणः कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी होगी पूछताछ

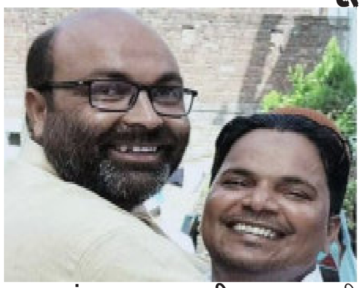

संवाददाता–कुशीनगर। जाली नोट प्रकरण में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू से भी कुशीनगर पुलिस पूछताछ करेगी। कुशीनगर पुलिस की जाली नोट कार्रवाई पर अजय लल्लू ने लगातार सवाल उठाए थे। अजय लल्लू की फोटो भी गिरफ्तार आरोपी औरंगजेब और नौशाद के साथ सोशल मीडिया पर शेयर हो रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस की कार्रवाई के बाद अजय कुमार लल्लू के फेसबुक पेज पर कुशीनगर पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया था। ऐसे में कुशीनगर पुलिस अब अजय लल्लू से भी मामले में पूछताछ करेगी। अजय लल्लू कांग्रेस उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष थे। पुलिस इन्हें पूछताछ के लिए नोटिस भेजेगी।

जाली नोटों और अवैध असलहों के धंधे में संलिप्त सपा नेता समेत 10 बदमाशों के लिंक पुलिस विदेश तक तलाश रही है। नेपाल के अलावा बिहार, बंगाल और असम तक फैले नेटवर्क में शामिल पांच और संदिग्ध पुलिस के रडार पर हैं। पुलिस की पांच टीमें जेल भेजे गए बदमाशों की संपत्ति का ब्योरा खंगाल रही हैं। रसूख के बल पर इलाके में धौंस जमाने वाले आरोपियों की कस्बे में चर्चा रही। सोशल मीडिया पर कई पुलिसकर्मियों के साथ पकड़े गए सपा नेता का फोटो भी वायरल हो रहा है।

कर अधिवक्ताओं ने किया मौन प्रदर्शन

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन के पंजीकृत कार्यालय वाराणसी द्वारा गठित निष्पक्ष न्याय अभियान समिति के आह्वान पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका (अपीलीय अधिकारी) की स्वतंत्रता एवं न्यायिक अनुशासन में किए जा रहे अनधिकृत हस्तक्षेप एवं अतिक्रमण के विरुद्ध एकजुटता प्रदर्शित करना था।

उपस्थित अधिवक्ताओं ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु एकजुट होने का संकल्प लिया। निष्पक्ष न्याय अभियान समिति के प्रयासों की सभी ने सराहना की।

बैठक के उपरांत, बस्ती टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शशांक सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनमोहन श्रीवास्तव काजू महामंत्री सूर्यनारायण और कार्यकारिणी सदस्य रिपुंजय सहाय के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एक शांति मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने अपनी बाँह पर काला बैंड एवं मुंह पर सफेद पट्टी बाँधकर अपना विरोध प्रकट किया। मार्च अपीलीय अधिकारी के कार्यालय तक पहुंचा, जहाँ एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 2 (अपील) को विरोध पत्र सौंपा गया। इस दौरान, विरोध स्वरूप दो मिनट का मौन भी रखा गया।

कार्यक्रम में संत कबीर नगर टैक्स बार के अध्यक्ष सरवन, अग्रहरि, पतंजलि अग्रहरि दिग्विजय शुक्ल, ओम प्रकाश त्रिपाठी, राजेन्द्र गुप्ता, राधे मोहन अग्रहरि, राजेश श्रीवास्तव, राजेंद्र गुप्ता, नन्द लाल, शशांक सोनी कैलाश मोहन , आनद राठौर,अंकुर, आनंद प्रताप, मनीष शंकर, रितेश, मर्तेंदु सिंह, राकेश गुप्ता, अनूप श्रीवास्तव अतुल श्रीवास्तव, नंद लाल अग्रवाल,सहित कई प्रमुख अधिवक्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी में खटक रही फार्मासिस्टों की कमी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में फार्मासिस्ट का बड़ा योगदान है। शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक के 77 स्वास्थ्य केंद्रों पर पद के सापेक्ष 104 फार्मासिस्ट तैनात हैं। 14 के पद रिक्त पड़े हैं, इसमें चार स्वास्थ्य केंद्र मिठवल, लोटन, लटेरा (खुनियांव) व जोगिया का हाल खराब है। यह चारों स्वास्थ्य केंद्र बिना चीफ फार्मासिस्ट के संचालित हो रहे हैं। वहीं जिला अस्पताल में भी स्वीकृत पदों के सापेक्ष चीफ फार्मासिस्ट व फार्मासिस्ट के पद रिक्त पड़े हैं। दरअसल, स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सक के साथ फार्मासिस्ट का होना अनिवार्य है। इनके बगैर मरीजों को पूरी तरह से स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। फार्मासिस्ट ही मरीजों को दवा उपलब्ध कराने के साथ–साथ खाने के खुराक की जानकारी देता है। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्रों पर दवा स्टोर का जिम्मा भी इन्हीं के भरोसे रहता है, बावजूद कभी–कभी व्यवस्थाएं बिगड़ जाती हैं। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं में 12 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) व 63 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) संचालित है। इसमें चार ब्लॉक स्तरीय पीएचसी नौगढ़, बढ़नी, खुनियांव व भनवापुर शामिल है। इन सभी केंद्रों को मिलाकर 13 चीफ फार्मासिस्ट व 91 फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत हैं, बावजूद नौ चीफ फार्मासिस्ट व 90 फार्मासिस्ट वर्तमान में सेवाएं दे रहे हैं। शेष पद रिक्त पड़े हैं। वहीं बांसी शहर में संचालित पीएचसी अब अतिरिक्त हो गया है। यह पीएचसी अब 50 शैय्या अस्पताल हो गया है। इस पीएचसी के लिए चार फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत हैं, बावजूद चारों रिक्त पड़े हैं। विभाग जैसे–तैसे काम चला रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सीएचसी मिठवल, लोटन, लटेरा (खुनियांव) व जोगिया में चीफ फार्मासिस्ट के पद रिक्त पड़े हैं। विभाग इनके पदों पर फार्मासिस्ट को चीफ फार्मासिस्ट का अतिरिक्त प्रभार देकर कार्य निपटा रहा है। जिला अस्पताल में चीफ फार्मासिस्ट के तीन पद हैं, बावजूद वर्तमान समय में दो ही कार्यरत हैं। एक पद रिक्त पड़ा है। जबकि फार्मासिस्ट के सात पदों के सापेक्ष तीन कार्यरत हैं। चार पद रिक्त पड़ा है। जबकि जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज में तब्दील होने के बाद मरीजों का दबाव लगातार बना है। ऐसे में आउटसोर्सिंग के जरिए फार्मासिस्ट की भर्ती कर कार्य निपटाया जा रहा है।

पुलिस ने जाली नोट गिरोह के एक और बदमाश को गोली मारकर दबोचा

संवाददाता–कुशीनगर। बुधवार को तड़के कुशीनगर में लगातार दूसरे दिन पुलिस मुठभेड़ हुई। इसमें जाली करंसी गिरोह का फरार 11 वां सदस्य पैर में गोली लगने के बाद पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया बदमाश पुराना पशु तस्कर भी है। उसके कब्जे से 30 हजार के जाली नोट, जाली नोट बदल कर जुटाए गए 10 हजार रुपए, अवैध तमंचा, दो खोखा व चार जिंदा कारतूस और एक बिना नंबर की बाइक बरामद, तीन प्रतिबंधित पशु तथा पशु वध के उपकरण बरामद किए गए हैं। जाली नोटों के कारोबार के मुकदमें में वांछित चल रहे इस बदमाश पर एसपी ने 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था। जिला पुलिस की मिडिया सेल ने बताया कि बुधवार को भोर में थाना सेवरही, थाना तमकुहीराज, थाना तरयासुजान व थाना साइबर की संयुक्त टीम सेवरही थाना क्षेत्र में ग्राम बिनटोलिया आम के बगीचे के पास मुखबीर की सूचना पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक मोटर साइकिल वाहन से जाली नोट मामले में फरार अभियुक्त आते दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तारी हेतु रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन पर सवार बदमाश द्वारा कुछ दुर पहले रुककर लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायरिंग की गई। जवाबी आत्मरक्षार्थ प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी जिसमें पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसकी पहचान मुस्तकीम पुत्र कलाम सा0 भूलिया अगरवा थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर के रुप में हुई है। अभियुक्त के कब्जे से जाली नोट 30000 रुपया, उक्त अपराध से अर्जित भारतीय मुद्रा नगद रुपया 10000 , एक तमंचा नाजायज 315 बोर, 4 जिंदा कारतूस नाजायज 315 बोर, 2 फायर सुदा कारतूस, बिहार बॉर्डर पर तस्करी के लिए बंधे गए 3 प्रतिबंधित पशु, 2 धारदार बाके, लकड़ी का ठोस ठीहा , रस्सी, कीपैड मोबाइल व एक मोटरसाइकिल बिना नम्बर प्लेट की बरामदगी की गयी। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय

अनुरा दिसानायके: भारत के लिये मायने

ऐसे वक्त में जब दुनिया भर में दक्षिणपंथी शासकों का वर्चस्व बढ़ चला है, भारत के पड़ोसी मुल्क श्रीलंका में मार्क्सवादी विचारधारा के अनुरा कुमार दिसानायके का रविवार को राष्ट्रपति निर्वाचित होना वामपंथ के लिये एक नयी बयार की तरह देखा जा रहा है। पूंजीवादी शासन प्रणाली का लम्बा दौर देख चुके इस छोटे से देश ने 55 वर्षीय दिसानायके पर सिर्फ इसलिये भरोसा नहीं जताया है क्योंकि वे एक मजदूर के बेटे हैं, बल्कि उन्हें भ्रष्टाचार से लड़ने तथा आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाले राष्ट्राध्यक्ष के रूप में भी देखा गया है। देश के इतिहास में पहली बार दो दौर की मतगणना के बाद इस पद के लिये हुए चुनाव पर दिसानायके को जीत इसलिये हासिल हुई क्योंकि शीर्ष पर रहे दो उम्मीदवार आवश्यक 50 प्रतिशत वोट प्राप्त नहीं कर सके। उत्तर–मध्य श्रीलंका के एक गांव थम्बुटेगामा के अनुरा दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं जिसने नेशनल पीपल्स पावर के साथ गठबन्धन किया हुआ था। 2019 के चुनाव में महज 3 प्रतिशत वोट पाने वाले दिसानायके ने अबकी 42.31 फीसदी मत प्राप्त कर अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी सजीथ प्रेमदासा (32.76 प्रश) को काफी पीछे छोड़ दिया। सोमवार को उन्होंने शपथ ग्रहण कर ली। इन दिनों अमेरिका की यात्रा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसानायके को बधाई देते हुए कहा है किरू श्भारत की नेबरहुड फर्स्ट की वैदेशिक नीति और दृष्टिकोण से श्रीलंका का खास स्थान है। प्रतिसाद में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने भी परस्पर सहयोग के लिये अपनी प्रतिबद्धता जतलाई है। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने दिसानायके से मुलाकात कर भारत की ओर से उन्हें बधाई दे दी है। कहने को मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने एक दूसरे के प्रति सम्मान दर्शाने वाले बयान दिये हैं। ऐसे मौकों पर औपरिकतावश ऐसे सद्भावनापूर्ण संदेशों का आदान–प्रदान होता ही है, लेकिन देखना यह होगा कि नये राष्ट्रपति का भारत के प्रति और भारत का उनके प्रति नजरिया और व्यवहार क्या रहेगा। पड़ोसी मुल्कों के साथ भारत के वैसे मधुर सम्बन्ध नहीं रह गये हैं जो 2014 के पहले हुआ करते थे, यानी कि मोदी के पीएम बनने के पहले थे। ज्यादातर पड़ोसियों के साथ किसी न किसी मुद्दे को लेकर भारत के सम्बन्ध सहज न रह पाने का एक बड़ा कारण इन सभी देशों पर चीन का बढ़ता प्रभाव रहा है। श्रीलंका पर भी चीन की निगाहें रही हैं। गोटाबाया प्रेमदासा के वक्त चीन ने श्रीलंका के एक द्वीप हंबनटोटा को अपना सैनिक अड्डा बनाने की कोशिश की थी ताकि वह भारत और सम्पूर्ण हिन्द सागर के क्षेत्र पर दक्षिणी हिस्से से निगाह रख सके। अन्य दूसरे कारणों से (भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद, खस्ताहाल अर्थव्यवस्था आदि) प्रेमदासा के खिलाफ जनाक्रोश फैला व उन्हें पद छोड़ना पड़ा था। तत्पश्चात चीन की इस इलाके में एंट्री रुक गयी थी। अब आगे देखना होगा कि इसे लेकर श्रीलंका की नयी सरकार क्या रुख अपनाती है। वैचारिक रूप से दिसानायके के चीन के करीब होने से इसकी आशंका तो बनी है कि वे भारत के मुकाबले चीन को ज्यादा तरजीह दें। ऐसे में भारत के लिये मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान दौर में मध्यमार्गी होना वाम पार्टियों की भी मजबूरी है और श्रीलंका में कोई भी सरकार आये, उसे भारत को नजरंदाज करना मुश्किल होगा। वैसे प्रेमदासा सरकार की नीतियों तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जो नेता सर्वाधिक मुखर थे, उनमें दिसानायके अग्रणी थे। उध ार चीन ने इस नतीजे पर खुशी जताई है। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि श्दिसानायके के आने से श्रीलंका की भारत पर निर्भरता कम होगी। वैसे पिछले दिनों जब दिसानायके भारत के दौरे पर आये थे तब उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात की थी। उन्होंने भारत के साथ श्रीलंका के अच्छे सम्बन्धों का हवाला न देकर इसकी जरूरत बतलाई थी। वैचारिक रूप से दिसानायके को भारत–विरोधी समझा जाता है। यही भारत के लिये चुनौती है। हालांकि श्रीलंकाई मामलों के विश्लेषक मानते हैं कि वैचारिक रूप से चीन के नजदीक होने के बावजूद हाल के वर्षों में दिसानायके के विचारों में संतुलन आया है। वैसे भी विपक्ष में रहते हुए जिस तरह के विचार कोई भी नेता या पार्टी व्यक्त करती है, अक्सर सत्ता सम्हालने के बाद उनमें परिवर्तन दिखता है। इसका कारण होता है शासन करने के लिये लचीलेपन की जो आवश्यकता होती है, वह सभी को अपनानी पड़ती है। यह भी माना जा रहा है कि श्रीलंका की आर्थिक बदहाली के दौरान भारत ने उसे जो मदद की थी, उसका ख्याल दिसानायके रखेंगे। इस लिहाज से देखें तो वहां की नयी सरकार भारत को बाहर रखकर अपनी नीति नहीं बना सकती।

एक देश, एक चुनाव: जनतंत्र और संघवाद पर चोट

राजेन्द्र शर्मा

नरेंद्र मोदी की सरकार ने आखिरकार, तथाकथित एक देश, एक चुनाव के अपने नारे पर अमल की राह पर कदम उठाने का फैसला कर लिया है। इस दिशा में पहला आधिकारिक कदम उठाते हुए, केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्व–राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय कमेटी की सिफारिशों पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा दी। कोविंद कमेटी ने मार्च के महीने में राष्ट्रपति को अपनी सिफारिशें दे दी थीं, जिनमें नरेंद्र मोदी के इस चहेते श्सुध ारश को लागू करने के तरीके सुझाए गए हैं। मोदी सरकार के पहले सौ दिन पूरे होने और प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिन के अगले ही दिन, मंत्रिमंडल के इस फैसले की घोषणा, इससे हैडलाइन प्रबंधन के हित साधे जाने की ओर, काफी साफ तौर पर इशारा करती है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिन पूरे होने के जश्न का जितना शोर था, उसे देखते हुए उसकी उपलब्धियों के तौर पर दिखाने–बताने के लिए कुछ खास चूंकि नहीं था, श्एक देश एक चुनावश के मोदी सरकार के फैसले को ही बड़ी हैडलाइन बनाने की कोशिश की जा रही थी। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि मंत्रिमंडल के अनुमोदन की घोषणा के बावजूद, यह स्पष्ट है कि खुद मोदी सरकार भी, अपने इस प्रिय नारे के निकट भविष्य में अमल में आने की कोई संभावना नहीं देख रही है। इसकी वजह सिर्फ यही नहीं है कि इस व्यवस्था को अमल में लाने के लिए, देश के कानूनों में ही नहीं, संविधान में भी इतने सारे संशोधनों की आवश्यकता होगी, जो सब आसानी से होने वाला नहीं है। सभी जानते हैं कि संविधान संशोधनों के लिए संसद के दोनों सदनों से दो–तिहाई बहुमत से अनुमोदन की और कुछ मामलों में आधे से अधिक राज्यों के अनुमोदन की भी जरूरत होगीय और अपनी उल्लेखनीय रूप से घटी हुई ताकत के चलते मोदी सरकार अब, विपक्ष के खासे बड़े हिस्से के समर्थन के बिना इन संविधान संशोधनों के पारित होने की उम्मीद कर ही नहीं सकती है। इसी को सच्चाई को देखते हुए, मोदी सरकार के अब तक के मिजाज के विपरीत और उसकी घटी हुई ताकत के अनुरूप, इस योजना को लागू करने के लिए मंत्रिमंडल में से एक इंप्लीमेंटेशन ग्रुप के गठन का ही ऐलान नहीं किया गया है बल्कि सरकार की ओर से इसका भरोसा दिलाने की भी कोशिश की गयी है कि वह तो इस मामले में कंसेंसस यानी सर्वानुमति बनाना चाहती है। कंसेंसस बनाने की इच्छा का यह दिखावा इसे उजागर करने के लिए काफी है कि खुद सरकार भी, इस मामले में जल्दी से कोई प्रगति होने की उम्मीद नहीं रखती है। वास्तव में, सरकार की ओर से उक्त निर्णय की घोषणा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने न सिर्फ इस पर अमल के लिए कोई ठोस समय सीमा बताने से इंकार कर दिया, उन्होंने 2029 के आम चुनाव से इस पर अमल शुरू होने का आश्वासन देने तक से इंकार कर दिया! इस लिहाज से इस फैसले की तुलना, महिला आरक्षण के मोदी सरकार के ही फैसले से किए जाने पर भी किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। महिला आरक्षण के भी 2029 के आम चुनाव तक लागू हो पाने के तो कोई आसार हैं ही नहीं। नरेंद्र मोदी की बड़े फैसले लेने वाले नेता की आत्मछवि

के लिए अब ऐसे फैसलों पर निर्भरता बढ़ती जा रही लगती है, जो प्रचार के लिए तो बड़े फैसले हैं, पर जिनका जमीन पर उतरना बहुत दूर नजर आता है। 2024 के आम चुनाव में भाजपा के बहुमत से नीचे रह जाने और सरकार बनाने के लिए गठबंधन की राजनीति करने पर निर्भर हो जाने के बाद, आम तौर पर ऐसा समझा जा रहा था कि अब मोदी सरकार को, श्एक देश एक चुनावश और श्समान नागरिक संहिताश जैसे अपने नारों को उठाकर रखना पड़ेगा, जिनको यथार्थ में उतारना वैसे भी बहुत मुश्किल था। बहरहाल, तीसरी पारी में भी कुछ भी नहीं बदलने की शुरू से ही छवि बनाने में सचेत रूप से जुटी मोदी सरकार ने, अपने मंसूबों में कुछ बदलाव नहीं होने की हवा बनाने के लिए, एक देश एक चुनाव के मुद्दे को आगे बढ़ाने का फैसला कर लिया लगता है, भले ही इस पर अमल हो सकने की खुद उसे भी उम्मीद नहीं हो। हैरानी की बात नहीं होगी कि मोदी सरकार अभी कुछ अर्सा इसी बड़े फैसले पर अपना ध्यान केंद्रित रखे और श्समान नागरिक संहिताश के मुद्दे को उत्तराखंड द्वारा इसके लिए कानून तक बना दिए जाने के बावजूद, फिलहाल पीछे कर दे। यह इसलिए भी संभव है कि समान नागरिक संहिता के पक्ष में तेलुगू देशम, जनता दल (यूनाइटेड) तथा लोक जनशक्ति पार्टी जैसे सहयोगी दलों को साथ बनाए रखना आसान नहीं होगा, जबकि एक देश, एक चुनाव के मुद्दे पर इन पार्टियों को जनतंत्र तथा संघवाद से जुड़ी आम आपत्तियों को पीछे रखने के लिए, अपेक्षाकृत आसानी से तैयार किया जा सकता है। ये पार्टियां वैसे भी किसी सिद्घांतनिष्ठ्ठता के लिए नहीं जानी जाती हैं। फिर कंसेंसस बनाने के लिए काम करने का दिखावा भी है, जो सहयोगियों की संभावित आपत्तियों को फौरी तौर पर स्थगित करा सकता है। और सबसे बढ़कर यह कि यह बहुत दूर का लक्ष्य है, जिसे लेकर सत्ताधारी गठबंधन के लिए तत्काल समस्या पैदा होने की कोई वजह नहीं है। बहरहाल, सत्ताधारी भाजपा को और उसके सहयोगियों को बखूबी पता है कि इस मामले में कंसेंसस की बातों का कोई मतलब नहीं है। इसकी वजह यह है कि विपक्ष का बड़ा हिस्सा, जिसमें इंडिया गठबंधन के लगभग सभी दल शामिल हैं, इस योजना के विरोध का रुख अपना चुका है। और यह विरोध, सिर्फ व्यावहारिकता के पहलू से नहीं है, जैसाकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की केंद्रीय कैबिनेट के फैसले पर पहली प्रतिक्रिया के एक हिस्से को उठाकर, भाजपा ने दिखाने की कोशिश की थी। यह विरोध, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण तरीके से, इस योजना के जनतंत्रविरोधी और उसमें भी सबसे बढ़कर संघवाद विरोधी होने का है। और इस विरोध को कंसेंसस की किसी भी कसरत से पाटा नहीं जा सकता है। सभी जानते हैं कि कोविंद कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप, लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ–साथ कराने के लिए, शुरूआत ही कई विधानसभाओं के कार्यकाल पांच साल की तय अवधि ा से घटाने या बढ़ाने से करनी होगी, ताकि चुनाव साथ–साथ हो सकें। यानी शुरूआत ही, राज्य विधानसभाओं की स्वायत्तता पर भारी और बुनियादी हमले से की जाएगी! लेकिन, इसी पर संघवाद पर हमले का अंत नहीं हो जाएगा। साथ–साथ चुनाव होने के बाद, विध ानसभाओं का लोकसभा जितनी अवधि ा तक चलना भी सुनिश्चित करना होगा। कोविंद कमेटी की सिफारिश के अनुसार, पांच साल से पहले किसी सरकार के बहुमत गंवाने के चलते गिर जाने और बहुमत पर आधारित दूसरी सरकार न बन पाने की सूरत में, विधानसभा का मध्यावधि चुनाव तो होगा, लेकिन विधानसभा के बचे हुए कार्यकाल के लिए ही। इस तरह, जीवन काल के हिसाब से भी विध ानसभाएं कई श्रेणियों में बंट जाएंगी और न समान कार्यकाल रहेगा और न एक साथ चुनाव। एक चुनाव का मूल पूरा तर्क ही विफल हो जाएगा। लेकिन, एक देश, एक चुनाव की योजना मुख्य समस्या इतनी भर नहीं है कि यह संघात्मक व्यवस्था में राज्यों की और स्थानीय निकायों की भी स्थिति को, उनके अधिकारों को कमजोर करती है। इस योजना की इतनी ही बड़ी समस्या यह भी है कि यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था का ही केंद्रीयकरण कर, केंद्रीय शासन से नीचे के सभी संस्तरों, जैसे राज्य, स्थानीय निकायों का जनतांत्रिक सार छीन लेगी। ऐसा किया जाएगा, इस विशाल और असाध ारण रूप से ज्यादा विविधताओं से भरे देश पर, एक पूरी तरह से एकरूप तथा केंद्रीकृत चुनाव व्यवस्था थोपने के जरिए। संक्षेप में यह योजना, संसद से लेकर पंचायत तक सारे चुनाव, एक नरेंद्र मोदी की तस्वीर पर और केंद्रीयकृत मुद्दों पर ही कराने की योजना है। इस तरह का चुनाव विकेंद्रीकरण के लक्ष्य को लेकर, जमीनी स्तर की ओर बढ़ते हुए, उत्तरोत्तर प्रत्यक्ष प्रतिनिधि ात्व की व्यवस्था को ही पलटकर, सभी स्तरों पर केंद्र के मिनिएचर ही थोप रहा होगा। यह जनता के लिए अलग–अलग स्तरों पर, अपने विवेक से अलग–अलग चुनाव की संभावनाओं को ही खत्म कर देगा और हमारे जनतंत्र को अति–केंद्रीयकृत कर के, भीतर से पूरी तरह से खोखला कर देगा। हालांकि, कोविंद कमेटी ने स्थानीय निकायों के चुनाव लोकसभा और विध ानसभाओं के चुनाव के सौ दिन बाद कराने का प्रस्ताव किया है,

खाने–पीने के सामानों में मिलावट पर योगी सरकार सख्त: लिखना होगा संचालकों का नाम

लखनऊ । खाने–पीने की चीजों में थूकने, यूरिन मिलाने की घटनाओं के बीच यूपी में ढाबा–रेस्तरां को लेकर योगी सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। सीएम योगी ने खाने–पीने की चीजों में मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि हर ढाबा और रेस्तरां पर मालिक और संचालकों के नाम लिखे जाएं। कर्मचारी मास्क लगाए और सीसीटीवी भी लगाया जाए। अधिकारियों को मॉनीटरिंग के निर्देश दिए हैं। प्रदेश भर में होटलों, ढाबों, रेस्टोरेंट की सघन जांच और वेरिफिकेशन कराया जाएगा।

सीएम योगी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच अभियान, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान–पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/ गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं।

फार्मासिस्ट दिवस पर किया रक्तदान

संवाददाता–बस्ती। बुधवार को स्वामी विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्स व स्वामी विवेकानन्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी रिठीया महरीपुर के संयुक्त तत्वाधान में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों द्वारा विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया गया।

मुख्य अतिथि श्री राम सहाय सिंह शांति सिंह एजुकेशनल ट्रस्ट के संरक्षक तथा संस्थापक श्रीमती आशा सिंह, विद्यालय के ट्रस्टी डॉक्टर हनुमान सिंह (जनरल सर्जन) तथा डॉक्टर ज्योति सिंह (आई सर्जन) रहे। विघ्यालय में बच्चों द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप, साइंस गैलरी लगाई गई। विद्यालय के 15 छात्रों ने रक्तदान किया जिससे कि किसी जरूरतमंद को रक्त देकर उसके जीवन को बचाया जा सके तथा सभी ने भारत को मजबूत करने के लिए तथा फार्मेसी को अच्छे मुकाम तक पहुंचाने के लिए कसम खाई।

संस्था के संस्थापक ने बच्चों को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की बधाई देते हुए अपने फील्ड के लिए और मेहनत करने को कहा जिससे कि भारत में फार्मेसी का स्तर और सुधारा जा सके।

कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक डा० प्रदीप पाण्डेय, तथा विद्यालय के शिक्षक तथा गैर शिक्षण कर्मचारी संदीप भारती, कार्तिक चौधरी, अनिकेत श्रीवास्तव, तरुण पांडेय, निलम कुशवाहा, दीपक, श्रीकन्त संदीप यादव, अरविंद सिंह, विवेक श्रीवास्तव, संगीता सिंह तथा सभी छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

दशहरा से पहले गड्ढा मुक्त होंगी सड़कें मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दिया निर्देश

लखनऊ (आभा)। आने वाले त्योहारों को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को निर्देश दिया है। दशहरा से पहले 10 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से यह भी कहा कि जब तक राजमार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए, तब तक 'टोल टैक्स' की वसूली नहीं की जाए। मंगलवार को सीएम योगी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि शारदीय नवरात्रि, दशहरा और दीपावली आदि त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान 10 अक्टूबर तक सम्पन्न कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि पर्व व त्योहारों पर प्रदेश में आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है और बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं। उन्होंने कहा कि हर एक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अच्छी गुणवत्ता के साथ सड़कों की मरम्मत का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने मंडी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों के सबसे बड़ा उपभोक्ता हैं और उनकी सुविधाओं का खास ध्यान रखा जाए। बयान के अनुसार योगी ने एनएचएआई के अधिकारियों से कहा कि जब तक राजमार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाए तब तक टोल टैक्स की वसूली नहीं की जाए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है और आवश्यकता इस बात की है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सड़क बनाने वाली एजेंसी या ठेकेदार सड़क बनने के बाद अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस बारे में नियम–शर्तें स्पष्ट रूप से उल्लिखित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइपलाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सांसद तथा विधायक निधि के अंतर्गत बनी सड़कों की मरम्मत के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्राम सचिवालयों की अवधारणा को केंद्र सरकार ने मॉडल के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालयों की तर्ज पर गन्ना समिति के कार्यालयों को अपग्रेड किया जाए।

उन्होंने हिदायत दी कि मंडियों में कैंटीन के माध्यम से किसानों को कम कीमत में भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी, स्ट्रीट लाइट तथा साफ–सफाई आदि सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में नगर पंचायत, नगर निगम तथा नगर पालिका परिषदों में महत्वपूर्ण स्थानों पर स्मार्ट रोडकी अवधारणा को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शहरीकरण का निरंतर विस्तार हो रहा है, ऐसे में अवैध कालोनियों को किसी भी दशा में विकसित होने की अनुमति नहीं दी जाए।

प्रधानाध्यापिया निलंबित, बंद विद्यालय से संबद्ध

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बीएसए देवेंद्र कुमार पाण्डेय ने प्राथमिक विद्यालय आमा बर्डपुर की प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया है। बीएसए ने यह कार्रवाई जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक की जांच रिपोर्ट पर की है। बीएसए ने प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर क्षेत्र के प्रावि अगया कला (बंद) से संबद्ध कर दिया है। साथ ही मामले में बीईओ बर्डपुर को आरोप पत्र तैयार करने 15 दिन के अंदर देने का निर्देश दिया। वहीं बीईओ शोहरतगढ़ को मामले में जांच अधिकारी नियुक्त किया है। बीएसए ने बताया कि बर्डपुर नंबर 12 के आमा टोला निवासी श्याम सुंदर पुत्र रामशरन समेत 23 ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय आमा बर्डपुर की प्रधानाध्यापिका अंजुमन खान की शिकायत डीएम से की थी। डीएम ने मामले की जांच पीडी जिला ग्राम्य विकास अभिकरण को सौंपी थी। पीडी ने अपनी जांच में लिखा है कि बच्चों ने बताया कि बड़ी मैम कभी आती हैं कभी नहीं आती हैं। कुछ बच्चों से शौचालय साफ कराना, बच्चों के माता–पिता की ओर से आपत्ति करने पर 19 सितंबर को उनसे विवाद करना व उन्हें धमकाना, अपने पति व बेटे को बुलाकर बच्चों के अभिभावकों से अपशब्दों का प्रयोग किया है। बच्चों ने बताया कि बड़ी मैम यानी प्रधानाध्यापिका मोबाइल ज्यादा इस्तेमाल करती हैं, पढ़ाती नहीं हैं।

इसके साथ ही विद्यालय के अन्य कक्षों में वायरिंग न होना, पंखा आदि न लगा होने संबंधी आख्या उपलब्ध कराई है। इस आख्या के आधार पर तात्कालिक प्रभाव से प्रधानाध्यापिका अंजुमन खान को निलंबित किया गया है। बीएसए ने बताया कि निलंबन अवधि में उन्हें प्रावि अगया कला (बंद) से संबद्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि बीईओ बर्डपुर को निलंबित प्रधानाध्यापिका के संबंध में आरोप–पत्र तैयार कर 15 दिन में देने का निर्देश दिया गया है। बीईओ शोहरतगढ़ को विभागीय कार्रवाई में जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मेडिकल कालेज में ब्रांकोस्कोपी की जांच शुरू

संवाददाता–बस्ती। मेडिकल कॉलेज में ब्रांकोस्कोपी जांच की शुरुआत हो गई है जिसका शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर मनोज कुमार द्वारा फीता काटकर और मशीन का पूजन कर के किया गया और यह भी बताया गया कि समय–समय पर इस तरह की आधुनिक मशीन को शासन द्वारा मंगाया जाएगा जिससे महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज के कैली हॉस्पिटल में अधिक से अधिक सुविधा मरीजों को मिल सके। इस मौके पर मौजूद चेस्ट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण गौतम ने बताया कि बस्ती मेडिकल कॉलेज में ब्रांकोस्कोपी जांच की शुरुआत होने से अब मरीजों को बाहर लखनऊ व गोरखपुर नहीं जाना पड़ेगा। शासन व मेडिकल कॉलेज का यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। मेडिकल कॉलेज के चेस्ट स्पेशलिस्ट डॉक्टर राहुल सिंह ने बताया कि ब्रांकोस्कोपी से दूरबीन विधि द्वारा फेफड़ों की जांच की जाती है इससे फेफड़ों में होने वाले संक्रमण, टीबी, कैंसर व गांठ को जाना जा सकता है वहीं इससे बायोस्पी भी कर ली जाती है। इस मौके पर डॉ अलका, डॉ अनिल यादव, डॉ बीएल कनोजिया, डॉ राजेश पांडे एवं मेडिकल कॉलेज के तमाम कर्मचारी व स्टाफ मौजूद रहे।

माताओं ने निर्जला उपवास कर मांगी संतानों की लंबी उम्र

संवाददाता–गोरखपुर। संतान की लंबी आयु और सुख–समृद्धि के लिए बुधवार को माताओं ने जीवित्पुत्रिका (जिऊतिया) व्रत रखा। इस पवित्र व्रत को लेकर पूरे शहर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा। महिलाओं ने कठोर निर्जला उपवास रखते हुए विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर माताओं ने फल, दही, दूध और मिठाई को सरगी के रूप में ग्रहण कर व्रत का शुभारंभ किया। दिनभर उपवास के दौरान उन्होंने अपने घरों में और सार्वजनिक मंदिरों में पूजा–अर्चना की। भजन–कीर्तन का आयोजन करते हुए, महिलाओं ने अपने व्रत को सफलतापूर्वक निभाया। शाम के समय सोलह श्रृंगार करके माताओं ने स्थानीय मंदिरों में बरियार के पौधे की पूजा की और सामूहिक रूप से राजा जीमूतवाहन व राजा परीक्षित की कथा का श्रवण किया।

गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर, मोहद्दीपुर, गोरखनाथ, कूड़ाघाट सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में जुटकर पूजा की। बुधवार की रात भी माताओं ने अपना निर्जला उपवास जारी रखा।

मादक पदार्थों के तस्करों, अफीम, गाजा माफियाओं के विरूद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

संवाददाता–बस्ती,। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में नारको–आर्डिनेशन सेन्टर की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। इसमें मादक पदार्थों की तस्करी, जिले में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र, ड्रग्स जांच उपकरण सहित अन्य बिन्दुओं पर गहन समीक्षा किया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निरन्तर सतर्कता बरतने तथा अफीम व गांजा माफियाओं के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि उनके बड़े सप्लायरों के बारे में भी जानकारी ली जाए तथा ड्रग्स का प्रयोग करने वालों को सुधार के लिए पुनर्वास केन्द्र भिजवायें।

बैठक का संचालन जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी ने किया। उन्होंने बताया कि 25 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक नशा मुक्ति भारत अभियान चलाया जायेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी आर0एस0 दूबे, डीडीओ अजय सिंह, पीडीए राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुघ्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, बीएसए अनूप तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नोएडा के पास गुरजेंगे लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (आभा)। फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने भारतीय वायु सेना के राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों की रखरखाव और मरम्मत के लिए एक नया कारखाना स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह कारखाना नोएडा के पास बनाया जाएगी और अगले छह महीनों में इसके संचालन की उम्मीद है। इस नई कंपनी का नाम डसॉल्ट एविएशन मेंटेनेंस रिपेयर और ओवरहाल इंडिया रखा गया है। कंपनी के सीईओ के रूप में डसॉल्ट के अनुभवी अधिकारी पोसिना वेंकट राव नियुक्त किए गए हैं।भारतीय वायु सेना के पास वर्तमान में 36 राफेल और लगभग 50 मिराज 2000 विमानों का बेड़ा है। ये विमान तकनीकी क्षमता के साथ–साथ रणनीतिक भूमिका में भी महत्वपूर्ण हैं। राफेल और मिराज 2000 दोनों अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। ये किसी भी संघर्ष के समय दुश्मनों के खिलाफ बेहद प्रभावी साबित होते हैं। इन विमानों ने भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री ने छात्रों के साथ किया संवाद, व्यापारियों की समस्या सुनी

संवाददाता–महराजगंज। सेवा समर्पण पखवारा के तहत सिसवा विधानसभा के ग्राम पंचायत टीकर स्थित जमुना प्रसाद शंभू प्रसाद इंटर कॉलेज में केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी पहुंचे। कार्यक्रमों में भाग लिया तथा छात्र–छात्राओ के साथ संवाद स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने मारवाड़ी धर्मशाला निचलौल में व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। निचलौल के विष्णु मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। इटहिया मंडल के शिव धाम इटहिया मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कर लोगों को जागरूक किया। धमऊर ग्राम सभा में ग्रामीणों के साथ बैठक करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी सदस्यता अभियान में भाग लिया। इसके अलावा जहदा मंडल के कैमा ग्राम सभा में भी बैठक और सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। सिसवा में रामजानकी मंदिर धर्मशाला में जनता, पदाधिकारियों और व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंकज चौधरी ने भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की और लोगों से इसमें भागीदारी करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसानों, छात्रों और जवानों के हितों को प्राथमिकता देती है। उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी को एक सही दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें किसान सम्मान निधि योजना एक बड़ी पहल है।केंद्रीय राज्यमंत्री ने लोगों से भाजपा से जुड़ने की अपील की। मोबाइल के माध्यम से भाजपा की सदस्यता भी कराई। इस अवसर पर प्रबंधक संध्या त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, शिवनाथ मद्धेशिया, अजय कुमार श्रीवास्तव, संतोष सिंह, जितेंद्र पाल सिंह, कौशल किशोर पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय, गिरधारी गुप्ता, अनिल गुप्ता, सुनील मद्धेशिया, दुर्गा अग्रहरि, अभिषेक पाण्डेय, गौतम चौधरी, राजन पटेल, दीपक चौधरी, गिरिजेश जायसवाल, दयाशंकर सिंह, अश्वनी सिंह, गोविंद जायसवाल, प्रह्लाद पटेल और विपिन सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भटनी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दिया गया कॉटन बैग

संवाददाता–देवरिया। वेस्ट मैटेरियल से बने बैग का रेलवे के कर्मचारियों ने भटनी रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनी लगाया। कर्मचारियों ने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरुक किया। यात्रियों को कर्मचारियों ने निःशुल्क कॉटन का थैली का वितरण किया। भटनी रेलवे स्टेशन पर अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी सामान बनाया गए समानों की प्रदर्शनी लगाया गया। स्टेशन पर आने जाने वाले यात्री रुक कर इसे देख रहे थे। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भटनी रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन यात्रियों को जागरूक करने के लिए वहां के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक अमित कुमार मिश्र के नेतृत्व में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के छठवें और सातवें दिन रिड्यूड,रियूज और रिसाइकल अभियान के तहत प्लास्टिक वेस्ट से कई प्रकार के फूल,पेन होल्डर,कुर्सियां और छोटे छोटे अलमारियां बनाई गईं। जिनको देखने के लिए यात्रियों की भीड़ लगी थी। श्री मिश्रा ने बताया कि ये प्रदर्शनी वेस्ट टू आर्ट के अंतर्गत वेकार पड़ी चीजों को पुनः प्रयोग करके उपयोगी समान बनाने के लिए आयोजित किया गया है। बायो कम्पोस्टिंग मशीन से निकली खादों को यात्रियों को गमलों और किचन गार्डन में उपयोग करने के लिए निःशुल्क बांटे गए। यात्रियों को कॉटन बैग भी निःशुल्क दिए गए।

भगवान कृष्ण की बाल लीला सुन भाव विभोर हुए भक्त

संवाददाता–अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के मणिराम दास छावनी प्राकृतिक चिकित्सालय में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस के सोपान में महामंडलेश्वर विजय रामदास भैया जी बल्लभगढ़ वाले महाराज ने भगवान कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी व गोवर्धन पूजा की कथा का सुन्दर चित्रण सुनाया गया। भैया जी महाराज ने बताया कि भगवान की अच्युत लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणा दायक हैं। भगवान श्री कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं कीं। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। श्री महाराज जी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण अपनी सखाओं और गोप.ग्वालों के साथ गोवर्धन पर्वत पर गए थे। वहां पर गोपिकाएं 56 प्रकार का भोजन रखकर नाच गाने के साथ उत्सव मना रही थी।

महाराजजी ने बताया कि कृष्ण के पूछने पर उन्होंने बताया कि आज के ही दिन व्रसासुर को मारने वाले तथा मेघों व देवों के स्वामी इंद्र का पूजन होता है। इसे इंद्रोज यज्ञ कहते हैं। इससे प्रसन्न होकर इन्द्र ब्रज में वर्षा करते हैं जिससे प्रचुर अन्न पैदा होता है। भगवान कृष्ण ने कहा कि इन्द्र में क्या शक्ति है। उनसे अधिक शक्तिशाली तो हमारा गोवर्धन पर्वत है। इसके कारण ही वर्षा होती है अतरू हमें इंद्र से बलवान गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। बहुत विवाद के बाद श्री कृष्ण की यह बात मानी गई और ब्रज में गोवर्धन पूजा की तैयारियां शुरू हो गई। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति सागर में मंत्रमुग्ध दिखे। आज की कथा में संकटमोचन हनुमान किला के महंत परशुराम दासजी महाराज के संयोजन में हनुमानगढ़ी के श्री महंत मुरली दास ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत कथा है यही कारण है कि अपने जीवन में एक बार निश्चित श्रवण करता है। संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने कहा की श्री अवध धाम में कथा श्रवण करने वाले बहुत पुण्य आत्मा होते हैं तब उन्हें अवध में कथा सुनने का अवसर मिलता है और बल्लभगढ़ वाले भैया जी श्रीमद् भागवतकथा का अवध में श्रवण कर रहे हैं और यहां बैठ सुनने वाले अनुयाई निश्चित ही पुण्य आत्मा है तभी उन्हें अवध में कथा सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के पूर्व प्रधानमंत्री माधव दास, महंत बलराम दास सहित उपस्थित सभी संतों का स्वागत सम्मान भैया जी महाराज ने किया। कथा विश्राम बेला पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

बारिश के लिए पूर्व चेयरमैन को बंधक बनाकर कीचड़ से नहलाया

संवाददाता–महराजगंज। बारिश न होने से दुखी महिलाओं ने मंगलवार को एक टोटका आजमाया। नौतनवा नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान के आवास पर बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं ने उन्हें बंधक बनाकर कीचड़ से नहलाया। महिलाओं का मानना है कि कस्बे या गांव के प्रमुख व्यक्ति को कीचड़ से नहलाने पर इंद्रदेव खुश होकर बारिश करते हैं।

बारिश का मौसम आखरी पड़ाव पर है, फिर भी बारिश ना होने की वजह से जहां लोग गर्मी से बेहाल हैं तो वहीं किसानों की फसल की बर्बाद हो रही है। हालात तो ऐसे हो गए हैं कि अब नलों के पानी भी सूखने लगे हैं। लोगों की चिंताएं बढ़ रही हैं कि यदि कुछ दिन और बारिश नहीं हुई तो लोगों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाएगी। पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान के आवास पर इसी टोटका को आजमाने महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचीं। महिलाओं ने पूर्व में प्रचलित प्रथा को अपनाते हुए उनको कीचड़ से नहलाया। पूर्व चेयरमैन ने कहा कि वे महिलाओं की भावनाओं का सम्मान करते हैं और परमपिता परमेश्वर से यह दुआ मांगता हैं कि नगर की महिलाओं की मुराद पूरी करें। बारिश हो, जिससे लोगों को गर्मी से राहत व खेती का काम आसान हो सके।

इस दौरान किसमती देवी, जलीबुन निशा, गुजराती देवी, शांति देवी, नेमा देवी, सुदामा देवी, कमलावती देवी, शकुंतला देवी, साधना देवी, नूरजहां, माया देवी, सुंदरी देवी, सुनीता रानी, अकालबुन निशा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी कमर को सीधा रखना

रेखा देशराज

फिटनेस को लेकर सजग लोगों के बीच इन दिनों पोस्चर करेक्टर ब्रेस की खूब चर्चा है। यह एक ऐसा बेल्टनुमा उपकरण है, जो हमारे शरीर की खराब मुद्रा को कुछ हद तक ठीक करने में मदद करता है। इससे गर्दन, कंधों और पीठ का संरेखण बेहतर बनता है। दफ्तर में बहुत लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठने के कारण होने वाले पीठ और गर्दन के दर्द को कम करने में भी यह थोड़ी मदद करता है। वैसे, मुख्यतः इसे हमारी खराब मुद्रा को ही बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कठोर प्लास्टिक या धातु के फ्रेम से बना यह उपकरण उन लोगों की पीठ और कंधों के चारों ओर से कसकर रखता है, जिनकी लगातार डेस्क पर झुककर बैठने के कारण कमर और कंधे आगे की तरफ लचक गए होते हैं। इस पोस्चर करेक्टर ब्रेस में खूब सारी पट्टियां होती हैं, जो सिर के ऊपर से आकर कमर को चारों तरफ से कसती हैं। बचपन में हमारे मां-बाप, बड़े बुजुर्ग और स्कूल टीचर अक्सर हमें 'सीधे बैठो' या 'अपने बैठने की मुद्रा को ठीक करो' जैसी हिदायतें देते रहते थे। हकीकत यह है कि वे लोग बिल्कुल सही कह रहे होते हैं। अक्सर हमारे बैठने के गलत तरीके की आदत बचपन में ही पड़ जाती है। अगर हम बचपन में इस बात को समझ लें कि कुर्सी में झुककर बैठना हमारी शारीरिक मुद्रा के लिए बहुत खराब आदत है, तो आगे चलकर हमें इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा, जो शरीर के बिगड़े हुए पोस्चर की समस्या होती है। वास्तव में, लगातार कुर्सी में आगे झुककर बैठने या घंटों लैपटॉप या किताबों में झुककर लिखने, पढ़ने आदि से हमारे बैठने का ढंग धीरे-धीरे गलत हो जाता है। लगातार आगे की तरफ झुके रहने के कारण हमारी कमर सीधी नहीं रह पाती, जबकि स्वस्थ रहने के लिए कमर का सीधा होना बहुत जरूरी है। लगातार गलत मुद्रा में बैठने के कारण बचपन में तो ज्यादा परेशानी नहीं महसूस होती, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सिरदर्द, कमर दर्द, जोड़ों में अकड़न और गर्दन में खिंचाव जैसी परेशानियां घेर लेती हैं। यह समस्या आजकल ज्यादातर समय कंप्यूटर और लैपटॉप में काम करने के कारण इतनी बढ़ चुकी है कि हर चौथा कामकाजी व्यक्ति गलत पोस्चर की शारीरिक समस्याओं का शिकार है। इस समस्या से बचाव के लिए और किसी हद तक बिगड़ चुके पोस्चर को सही करने के लिए बाजार में कई तरह के उपकरण सामने आए हैं, जिनमें इन दिनों सबसे ज्यादा लोकप्रिय पोस्चर करेक्टर ब्रेस है। यह वास्तव में 'चेस्ट कोट' या जैकेटनुमा होता है। इसके पहनने से कमर से लेकर छाती तक का हिस्सा सीधा या सटकर रहता है। हालांकि, नेक ब्रेस यानी गर्दन में पहने जाने वाले पट्टे से तो हम बहुत लंबे समय से परिचित हैं, जो गर्दन के लिए वही काम करता है, जो कमर के लिए पोस्चर ब्रेस करता है। यूं तो शरीर के और भी हिस्सों को गलत मुद्राओं के चलते जो परेशानियां पैदा हो रही हैं, उनसे बचाव के लिए अब बाजार में कई तरह के ब्रेसेज आ गए हैं। लेकिन कंधों से लेकर कमर तक को सीधा रखने का सबसे स्मार्ट उपकरण इस समय बाजार में यही पोस्चर करेक्टर ब्रेस है। इसकी पूरी दुनिया में खूब मांग है। इससे मदद भी मिल रही है। लेकिन सिर्फ इसके भरोसे रहने से ज्यादा फायदा नहीं होता। इसका इस्तेमाल करते हुए जब हम लगातार खुद भी दिन के ज्यादातर समय कमर सीधी करके बैठने की कोशिश करते हैं, नियमित एक्सरसाइज और सोने की मुद्रा पर भी ध्यान रखते हैं, तो कहीं जाकर गलत मुद्रा के असर से बच पाते हैं। वैसे, जहां इस तरह के ब्रेस के कई फायदे हैं, तो कुछ नुकसान भी हैं। इसलिए जानकार कहते हैं कि प्राकृतिक तरीके से ही कमर को सीधा रखा जाए तो ज्यादा बेहतर है। मगर इस निष्कर्ष से भी सभी जानकार एकमत हैं कि यह ब्रेस जिस तरह से हमारे कंधों को पीछे की तरफ खींचकर रखता है, उससे फर्क तो पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने में यह वाकई मददगार है। इससे मांसपेशियों और जोड़ों पर तनाव भी कम रहता है। यहां तक कि कुछ सावधानियों के साथ इस पोस्चर करेक्टर ब्रेस को हम बिस्तर पर भी पहने रख सकते हैं। इससे रात में सोते समय सही मुद्रा में बने रहने में मदद मिलती है। रात में टेढ़ा-मेढ़ा होकर सोने में जो हमारी कमर को परेशानी होती है, उससे हम बच जाते हैं। लेकिन इसे पहनकर सोने के कई जोखिम भी हैं। इसलिए अव्वल तो पोस्चर ब्रेस के साथ सोने से बचना चाहिए, और अगर शरीर की बेहतरी के लिए पहनकर सोएं तो न सिर्फ सजग रहने की जरूरत है, बल्कि सही गद्दा और सही तकिया भी चुनना चाहिए।

राशि फल

मेष :- कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृष :- किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :- नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :-प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

तुला :- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बनें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्टा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :- संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :- अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :- थोड़ा संयमी व धैर्यवान बनें। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण

अमीर बनना है तो बदल दें ये आदतें, आपके पीछे खुद चलकर आएगा पैसा!

दुनिया में अमीर कौन नहीं बनना चाहता। हर किसी का सपना होता है कि उसके पास सारे ऐशो- आराम हो, हालांकि कुछ पाने के लिए कुछ खोना भी पड़ता है। अमीर बनने के लिए सही ढंग से पैसा सेव करना और उसे बुद्धिमानी से निवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आज आपको पैसे सेव करने के कुछ सुझाव बताते हैं जिससे आप भविष्य में अमीर बनने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

आय का एक हिस्सा सेव करें

सबसे पहले, अपनी आय का कम से कम 20-30: हिस्सा हर महीने सेव करने की आदत डालें। इसे सबसे पहले करें, यानी जब आपकी सैलरी आए तो उसमें से सेविंग्स निकाल लें और बाकी खर्च करें। इस तकनीक को ष्चंल ल्वनतेमसि थ्पतेज कहा जाता है।

बजट बनाएं

हर महीने का बजट बनाएं और उसमें से आवश्यक खर्च और गैर-जरूरी खर्चों को पहचानें। जो खर्चे आपको जरूरी नहीं लगते, उन्हें कम करने की कोशिश करें। गैरजरूरी चीजों पर खर्च करने से बचें जैसे कि लग्जरी चीजें, बार-बार बाहर खाना, या अनियोजित खरीदारी।आपातकालीन फंड बनाएं

अपने जीवन में किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए एक आपातकालीन फंड बनाएं। इस फंड में कम से कम 6 महीने की आमदनी का पैसा रखें ताकि आप किसी भी आर्थिक संकट से बच सकें।

लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए निवेश करेंसिर्फ पैसे बचाना ही नहीं, बल्कि उन्हें सही जगह निवेश करना भी जरूरी है। आप म्यूचुअल फंड्स, स्टॉक्स, फिक्स्ड डिपॉजिट, और रियल एस्टेट जैसे साधनों में निवेश कर सकते हैं। कंपाउंड इंटरेस्ट का फायदा उठाने के लिए निवेश जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

कर्ज से बचें

अनावश्यक कर्ज लेने से बचें। क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और जितना हो सके उधार न लें। कर्ज में फंसने से बचने के लिए सिर्फ उतना ही खर्च करें जितना आप चुकाने की स्थिति में हों। अगर कर्ज लेना हो, तो कम ब्याज दर वाली योजनाओं को चुनें और समय पर उसका भुगतान करें।

लंबी अवधि का दृष्टिकोण रखें

अमीर बनने का लक्ष्य एक रात में पूरा नहीं होता। इसके लिए धैर्य और समझदारी से लिया गया हर कदम जरूरी है। अपने निवेश को लंबी अवधि ा के लिए बनाए रखें और छोटे-छोटे बदलावों से घबराएं नहीं।

साइड इनकम के रास्ते तलाशेंअगर आप अपनी सैलरी या मुख्य आय से ज्यादा पैसा सेव करना चाहते हैं, तो साइड इनकम के अवसरों पर ध्यान दें। आप कोई फ्रीलांस काम, ऑनलाइन बिजनेस, या इंवेस्टिंग के माध्यम से अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन से बचें

जब आपकी आमदनी बढ़ती है, तो लोग अक्सर अपने खर्चों में भी इजाफा कर देते हैं। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। अगर आप ज्यादा कमाते हैं, तो उसे बढ़े हुए खर्चों पर न लगाकर सेविंग्स और निवेश पर फोकस करें।

लक्ष्य निर्धारित करेंछोटे और बड़े दोनों आर्थिक लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से निर्धारित करें। उदाहरण के लिए, अगले पांच वर्षों में घर खरीदना, बच्चों की पढ़ाई के लिए फंड बनाना, या रिटायरमेंट के लिए सेविंग्स प्लान करना। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से बचत और निवेश करें।पैसे बचाने और निवेश करने के लिए सही दृष्टिकोण अपनाना अमीर बनने की कुंजी है। धैर्य और अनुशासन से पैसे का सही प्रबंधन करें, और ध्यान रखें कि छोटी-छोटी सेविंग्स समय के साथ बड़ी हो जाती हैं।

जेल में बड़बड़ाता तो कभी गुमसुम दिखता है साइको किलर रंजीत

गोरखपुर। बांसगांव के भैंसा रानी गांव में डेढ़ साल के दिव्यांश की ईंट से कूचकर निर्मम हत्या के आरोपी रंजीत को जेल की मिलेनियम बैरक में रखा गया है। यहां वह चार दिनों से एक कोने में पड़ा हुआ है। कभी वह बड़बड़ाने लगता है तो कभी गुमसुम हो जाता है। अभी तक उसने किसी भी बंदी से बातचीत नहीं की है। बंदी भी उसकी अजीब हरकतें देख हैरान हैं। जेल प्रशासन की नजर उसकी ही गतिविधियों पर है। बहुत जल्द उसकी मानसिक जांच कराई जाएगी। जांच में मानसिक बीमारी साबित होने पर उसे वाराणसी के मानसिक अस्पताल भेजा जा सकता है।

हरपुर–बुदहट पुलिस ने मंगलवार को उसे जेल भिजवाया था। पुलिस के सामने इधर–उधर की बातें कहकर वह बार–बार गलती होने की बात स्वीकार करता रहा। थाना प्रभारी, सीओ और एसपी की पूछताछ में उसने बच्चे को मारने की वजह नहीं बताई। जेल जाने पर भी वह गुमसुम रह रहा है, अजीब–अजीब सी बातें करता है। सूत्रों की मानें तो पहले दिन जेल प्रशासन भी उसकी करतूत से अंजान था। बुधवार को जानकारी होने पर बंदी रक्षक सतर्क हो गए।जेल के हर बैरक में कैमरे लगे हुए हैं, जिनके जरिए खास तौर से रंजीत पर नजर रखी जा रही है। अन्य बंदियों को भी उससे दूरी बनाकर रहने के लिए कहा गया है। जेलर अरुण कुमार का कहना है कि अभी तक की निगरानी में वह मानसिक रोगी लग रहा है। डॉक्टर की जांच में मानसिक रोग की पुष्टि होने पर उसे अन्य बंदियों से अलग रखा जाएगा। इसके बाद वाराणसी भेजने के लिए पत्राचार किया जाएगा। वाराणसी के मानसिक अस्पताल में मानसिक बीमार बंदियों को रखकर इलाज किया जाता है।बीते सोमवार को बांसगांव के भैंसा रानी गांव में डेढ़ साल के एक दिव्यांश की रंजीत ने ईंट से कूंचकर निर्मम हत्या कर दी थी। बच्चा घर से कुछ दूरी पर खेल रहा था। इस बीच आरोपी आया और उसे गोद में लेकर उसके सिर पर ईंट बरसाने लगा। घायल बच्चे की बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। मंगलवार को रंजीत को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवा दिया। पुलिस का कहना है कि रंजीत की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। असफलता और एकाकीपन से व्यक्ति में मानसिक विकृति पनपती है। व्यक्ति को समाज में सबसे डर लगने लगता है। डर को दूर करने के लिए सबसे पहले उसके सामने जो पड़ता है, उस पर हमलावर हो जाता है। यह एक मनोरोग है, जिसे एक्यूट साइको सिंड्रोम कहते हैं। इस रोग से पीड़ित व्यक्ति अक्सर पड़ोसी या परिचित लोगों के साथ ही असामान्य या हिंसक हरकतें कर बैठता है और फिर जब वह सामान्य स्थिति में आता है तो पछताता भी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, बांसगांव में मासूम की हत्या करने वाले आरोपी में भी इस तरह के रोग के लक्षण हैं। ऐसे मरीज को काउंसिलिंग और इलाज से ठीक किया जा सकता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सक डॉ तापस कुमार आईच कहते हैं– एक्यूट साइको सिंड्रोम एक ऐसी बीमारी है, जो व्यक्ति में धीरे–धीरे पनपती है। मरीज असामान्य हरकतें करने लगता है। 24 से 48 घंटे में मनोरोगी की हरकतें बदल जाती हैं। सोचने–समझने की शक्ति शून्य हो जाती है। बांसगांव में मासूम हत्याकांड में भी आरोपी अपने घर से निकला होगा तो उसके सामने बच्चा पड़ गया होगा। उसे बच्चे से ही डर लगने लगा होगा और फिर उसने हमला कर दिया होगा।

डॉ तापस का कहना है कि व्यक्ति जब अकेला होता है और निराशा, कुंठा बनकर उसे परेशान करती है तो वह विचलित होने लगता है। असामान्य लक्षण दिखते ही काउंसिलिंग बहुत आवश्यक है। वरना वह बड़ी वारदात कर बैठता है।

संपत्ति कर का मामला सुलझा.. होगा समायोजित

गोरखपुर। शहर के वे नागरिक, जो वित्तीय वर्ष 2021–22 और 2022–23 में भी जीआईएस सर्वे के आधार पर बढ़ा संपत्ति कर जमा कर चुके हैं, उनको नगर निगम ने राहत दी है। उनसे वसूला गया अधिक टैक्स आगे समायोजित किया जाएगा। शुक्रवार को नगर निगम की कार्यकारिणी समिति ने इसपर अपनी सहमति प्रदान कर दी। जल्द ही इस प्रस्ताव को सदन की बैठक में भी रखा जाएगा।

मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यकारिणी की छठी बैठक शुक्रवार को चार घंटे तक चली। छह नए सदस्यों के निर्वाचन के बाद यह पहली बैठक थी। इसमें कई अहम प्रस्तावों को स्वीकृति मिली। करीब दो महीने पहले हुई नगर निगम बोर्ड की बैठक में तय हुआ था कि जीआईएस सर्वे के बाद तय वर्ष 2021–22 व 2022–23 का संपत्ति कर नागरिकों से नहीं लिया जाएगा, लेकिन नोटिस में इसका अनुपालन नहीं हो पाने से बड़ी संख्या में लोग परेशान थे।

नगर निगम की तरफ से करीब 18 हजार ऐसे लोगों को नोटिस भेजा गया था, जिसमें स्थगित हुए दोनों वर्षों का बिल भी जोड़कर भेजा गया है। कई लोगों ने इसे जमा भी कर दिया है। निगम की दलील थी कि बोर्ड बैठक में जब इन दोनों वर्षों का संपत्ति कर स्थगित करने का फैसला किया गया, ये सभी बिल उसके पहले ही जारी कर दिए गए थे।

शुक्रवार को कार्यकारिणी बैठक में दिग्विजयनगर के पार्षद एवं पूर्व उपसभापति ऋषि मोहन वर्मा समेत कुछ और सदस्यों ने इसपर आपत्ति दर्ज कराई। काफी देर तक मंथन के बाद तय हुआ कि संपत्ति कर के बिल में एकरूपता रहे, इसलिए वर्ष 2021–22 और 2022–23 का संपत्ति कर बिल किसी से भी न लिया जाए। इससे आम नागरिकों के बीच में भ्रम की स्थिति हो रही है।

इसी तरह नगर निगम के कर्मचारी, संपत्तिकर का बिल न लेने की मांग कर रहे थे। बैठक में इस प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, तय हुआ कि यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। वहां से जो निर्णय होगा, उसी मुताबिक आगे कार्रवाई की जाएगी।

16 करोड़ से होंगे विकास कार्य

बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों ने पार्षद वरीयता की दूसरी किस्त के रूप में 20–20 लाख रुपये दिए जाने का प्रस्ताव रखा। इस पर सर्वानुमति से निर्णय लिया गया कि सभी 80 वार्डों के पार्षदों से 20–20 लाख रुपये के विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे जाएंगे। इसके अलावा संपत्ति कर के एकमुश्त भुगतान पर वर्तमान संपत्ति कर शुल्क पर ऑफलाइन भुगतान पर आठ फीसदी और आनलाइन भुगतान पर 12 फीसदी की छूट दिए जाने पर अनुमोदन किया गया। इसके अलावा बैठक में आरओ वाटर प्लांट का संचालन करने वालों से शुल्क वसूल करने का निर्णय लिया गया। शुल्क की धनराशि निर्धारित करने के लिए कार्यकारिणी ने बायलॉज बनाने की स्वीकृति दी।

ई–ऑटो चार्जिंग स्टेशन के लिए जमीन देगा निगम

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के प्रस्ताव पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड सिविल लाइंस को पांच वर्षों के लिए एक हजार वर्ग मीटर भूमि आवंटित किए जाने का निर्णय लिया गया। यह जमीन मौजा हुमायूंपुर, तप्पा–कस्बा, परगना–हवेली, तहसील सदर गोरखपुर की आराजी नम्बर–728 रकबा 0.724 हेक्टेयर पट्टी म्यूनिसिपल बोर्ड गोरखपुर खेवट खाता नंबर 47 में जंमन 15(3) कब्रिस्तान, श्मशान आदि श्रेणी की भूमि में से उत्तर–पूरब कोने पर दी जाएगी। इसके साथ ही कार्यकारिणी ने नगर आयुक्त के कंबल खरीद के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की। ठंड को ध्यान में रखते हुए निराश्रित गरीब एवं असहाय कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को सहायता पहुंचाने के लिए कंबल का वितरण किया जाएगा।

बैठक में पार्षदों ने मेयर और नगर आयुक्त से मांग की कि त्योहारों के शुरू होने के पूर्व महानगर की सभी सड़कें गड्ढामुक्त की जाएं। पेयजल आपूर्ति में आ रही शिकायतों को दुरुस्त कराया जाए। पार्षद पवन त्रिपाठी ने पथ प्रकाश से जुड़ी समस्या उठाई। इसपर निर्णय हुआ कि सभी वार्डों में पथ प्रकाश संबंधी शिकायतों का कड़ा संज्ञान लेकर उनका निस्तारण कराया जाए। नालियों की साफ सफाई के साथ घरों से कूड़ा उठाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने की मांग रखी गई। यूजर चार्ज की वसूली में पार्षदों ने पारदर्शिता लाए जाने की भी मांग की।

हवा के साथ बारिश से बिजली सप्लाई ठप

गोरखपुर। लगातार चल ही तेज हवा और बारिश से शहर के कई मोहल्लों में बिजली गुल हो गई। बृहस्पतिवार की रात 12रू25 बजे यूनिवर्सिटी सबस्टेशन के 33 केवी की लाइन में केबल बॉक्स क्षतिग्रस्त होने से ब्रेकडाउन हो गया था। इसके की सप्लाई बाधित हो गई। आधे घंटे के अंदर टाउनहाल सबस्टेशन से जोड़ सप्लाई बहाल की गई। शुक्रवार को सुबह 7रू30 बजे तेज बारिश के चलते टाउनहॉल सबस्टेशन में भी ब्रेकडाउन हो गया। इसकी जानकारी होने पर तत्काल टाउनहाल से सप्लाई बहाल की गई। बिजली कर्मचारियों ने गड़बड़ी को दुरुस्त कर सप्लाई चालू कराई। रात में तारामंडल में कई इलाकों में लो व हाई वोल्टेज की समस्या भी रही।

बारिश के चलते कई स्थानों पर बिजली आने जाने का सिलसिला जारी रहा। रुस्तमपुर एरिया के ट्रांसफॉर्मर जलने से विशुनपुरा इलाके की सप्लाई ठप हो गई। वहीं कई जगहों पर तार व खांभे क्षतिग्रस्त होने से बक्शीपुर, तारामंडल व शाहपुर इलाके में कुछ देर के लिए सप्लाई बंद रही। हवा चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन बिजली गुल होने से घरों में पानी का संकट खड़ा हो गया। काम काजी व नौकरी पेशा लोगों को काफी दिक्कत झेलनी पड़ी। वैकल्पिक व्यवस्था से बिजली कर्मियों ने सप्लाई बहाल की।

बिजली निगम के मुताबिक आंधी पानी के कारण पेड़ व डाली टूटकर बिजली तारों पर गिर पड़ी। इससे तार व खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। रुस्तमपुर इलाके के विशनपुरा में ट्रांसफॉर्मर जलने से सप्लाई बाधित हो गई। जेई और एसडीओ ने पेट्रोलिंग कर पेड़ों की डालिया हटवाकर जैसे–तैसे बिजली सप्लाई बहाल कराई। बिजली न होने से घरों में लगे इनवर्टर जवाब दे गए। अंधेरा होने के बाद मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया। जेई दुर्गा प्रसाद ने बताया कि यूनिवर्सिटी बिजली घर के केबल बॉक्स में तकनीकी गड़बड़ी होने से दिक्कत आई। आधे घंटे में टाउनहाल से जोड़ कर सप्लाई बहाल की गई। इसके बाद टाउनहाल में ही ब्रेकडाउन में हो गया। तत्काल गड़बड़ी को दूर कर सप्लाई बहाल कर दी गई।

कृषि पर बारिश का अमृत के समान असर

गोरखपुर। लगातार हो रही बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए हैं। किसानों को यह उम्मीद हो चली है कि उनकी फसलों का उत्पादन बेहतर होगा। सच यह है कि इस बारिश का खेती पर अमृत के समान असर हुआ है।

यह कहना हे जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह का। उन्होंने बताया कि बारिश नहीं होने की वजह से फसलों का ग्रोथ थम– सा गया था। चाहे गन्ना की फसल हो या धान की, यह बारिश सबके लिए बहुत फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि धान की फसलों में किसान पंपसेट व नलकूप से पानी चलाकर परेशान हो गए थे। लेकिन, उससे फसलों में जितना ग्रोथ होना चाहिए नहीं हो रही थी। किसान उनसे कह रहे थे कि बहुत सी धान में बालियां निकलना मुश्किल है। इस बारिश से हर धान के खेत में बालियों के निकलने की उम्मीद पूरी तरह से जग गई है। अब धान की फसल रेड़ा पर आ जाएगी और उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद जग गई है।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि अभी तोरी और सरसो की बुआई नहीं हुई है। यदि बुआई हो गई होती तो उनके बीज के सड़ने की संभावना होती। लेकिन, अभी उनकी बुआई नहीं हुई है। यदि बारिश थोड़ा और पहले हुई होती तो और बेहतर होता। फिर भी इस बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है।

जमीन दिलाने के नाम पर पूर्व प्रधान से 44 लाख की ठगी

भटहट। गुलरिहा के ग्राम पंचायत पिपरी के पूर्व प्रधान प्रमोद सिंह से 44 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। जमीन दिलाने के नाम पर जालसाजों ने उनसे रुपये हड़प लिए। जमीन न मिलने पर पीड़ित ने रुपये मांगे तो धमकी मिलने लगी। शुक्रवार को पूर्व प्रधान की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने पांच लोगों पर केस दर्ज किया। एक जालसाज की कुछ दिन पहले मौत हो चुकी है। पुलिस को दी तहरीर में प्रमोद ने बताया कि जमीन को लेकर परसौना निवासी आफताब और अकरम खान से उसकी मुलाकात हुई। दोनों ने जैनपुर में एक एकड़ जमीन दिखाई और कहा कि बेचने वाला उसके परिचय का है। सौदा तय होने पर महराजगंज जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के रुदलापुर निवासी विजयी यादव के खाते में 17 जनवरी 2024 को पांच लाख रुपये और 19 जनवरी को पांच लाख रुपये और अकरम को पांच लाख और 12 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।